

ग्राम चुनिया में आयोजित मुख्य कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस अध्यक्ष अजय अवस्थी ने की, जबकि नेतृत्व जिला महामंत्री हीरामणी पटेल और ब्लॉक अध्यक्ष अजीत सोनी ने संभाला। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्व. राजीव गांधी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर नमन किया और उनके बताए पदचिह्नों पर चलने की शपथ ली। तत्पश्चात, शहडोल स्थित कांग्रेस कार्यालय में भी दीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी ने राजीव गांधी के दूरदर्शी नेतृत्व को याद किया। उन्होंने कहा कि राजीव जी आधुनिक भारत के असली शिल्पकार थे, जिन्होंने देश में कंप्यूटर, आईटी और संचार क्रांति की नींव रखी। उन्होंने युवाओं के लिए भागीदारी बढ़ाने के लिए मत्तनदानी न्यूनतम उम्र 21 से घटाकर 18 वर्ष की और पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा देकर सत्ता की ताकत सीधे गांवों तक पहुंचाई। उनके विचार आज भी देश को एकता, अखंडता, शांति और आपसी सौहार्द के सूत्र में पिरोने की प्रेरणा देते हैं। इस दौरान बड़ी संख्या में वरिष्ठ कांग्रेसी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शहडोल में महुआ के नाम पर घपला

साध तौर पर राष्ट्र के खेजाने पर डोका है
यदि व्यापारी स्वयं के खाते से खरीद-
बिक्री दिखाता तो उसे नियमानुसार
जीएसटी और आयकर चुकाना पड़ता,
लेकिन किसान के नाम की आड लेकर



मंडी की ई-अनुज्ञा दरकिनार

वैधानिक प्रमाण ई-अनुज्ञा प्रणाली ही है।
लोकनिगम शहडोल, ज्यौहारी और
जयसिंहनगर क्षेत्र में चल रहे इस कारनामे
में मंडी के कठे नियमों को ठेंगा दिखा दिया
गया है। आश्चर्य इस बात का है कि ठंडे ठंडे
के संचालकों द्वारा जारी एक सामान्य
हस्ताक्षरित पत्र या रसीद को ही माल बे
स्वामित्व, किसान के नाश और स्टॉक क
अंतिम प्रमाण मान लिया गया है। क्या को
मंडी ठंडे ठंडे गृह का सादा कागज सरकारी
मंडी अनुज्ञा-पत्र, आधिकारिक क्र

डाल। पुलिस अधीक्षक डॉ. अजय अग्रवाल ने जिले की पुलिस प्रशासनिक स्थिति में बढ़ा फेरबंदी करके हुए प्रभाषा प्रभारियों और आसक्तकर्मियों की नवीन पदस्थापना आदेश जारी किए हैं। जरूरी आवश्यकता के अनुसार कई थानों पर प्रभारियों को एक थाने से दूसरे थाने तकमान सौंपी गई है, जबकि कुछ अन्य महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ दी गई हैं। सभी को तत्काल प्रभाव से ही नई पदस्थापना स्थल पर भेजा जाएगा। आदेश के निशेध दिए जा रहे हैं। आदेश के अनुसार निरीक्षक सिंहा सिंह ऐन्डो को थाना प्रभारी पुष्पापुरी से हटाकर थाना प्रभारी श्याम कर्माया गया है। निरीक्षक मोहन को रक्षित केन्द्र से थाना प्रभारी जैतपुर की जिम्मेदारी दी गई है। निरीक्षक विजयलाल को थाना प्रभारी ब्यूहारी से थाना प्रभारी लॉर्ड विवाला किया गया है। निरीक्षक तबसल सिंह गहरवार को थाना प्रभारी बुढरा से थाना प्रभारी



धनपुरी बनाया गया है। वहीं निरीक्षक संजय कुमार जायसवाल, जो थाना प्रभारी यातायात की जिम्मेदारी संभाल रहे थे, उन्हें थाना प्रभारी बुद्धर पदस्थ किया गया है। निरीक्षक अभिलाष मिश्रा को रक्षित केन्द्र शहडोल से थाना प्रभारी ब्योहारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। निरीक्षक जयप्रकाश नारायण शर्मा को थाना प्रभारी जैतपुर से थाना प्रभारी महिला थाना बनाया गया है। कार्यवाहक निरीक्षक सातेंद्र प्रसाद चतुर्वेदी को रक्षित केन्द्र शहडोल से थाना प्रभारी सिंहपुर पदस्थ किया गया है। निरीक्षक राम कुमार गयाकवाल को महिला थाना प्रभारी के पद से हटाकर प्रभारी कंट्रोल रूम शहडोल की जिम्मेदारी दी गई है। उप निरीक्षक स्तर पर भी थाना प्रभारियों में बदलाव किया गया है। उप निरीक्षक दिलीप सिंह को थाना प्रभारी देवलौंद से थाना कोतवाली

मेजा गया है। उप निरीक्षक आशीष झरिया को थाना प्रभारी सिंहपुर से थाना प्रभारी सोहागपुर बनाया गया है। उप निरीक्षक वीरेंद्र तिवारी और उप निरीक्षक मोहितलाल सोनवानी को रक्षित केन्द्र से थाना कोतवाली परस्थ किया गया है। उप निरीक्षक उपेन्द्र त्रिपाठी को थाना कोतवाली से थाना प्रभारी ब्यौहारी की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं उप निरीक्षक सुरेश कुमार रेवास को थाना ब्यौहारी से थाना प्रभारी सोहागपुर परस्थ किया गया है। पुलिस अधीक्षक के इस फेरबदल के बाद जिले के धनुपुरी, जैतपुर, देवलौद, बुदारा, ब्यौहारी, महिला थाना, सिंहपुर और सोहागपुर सहित कई थानों की कमान नए थाना प्रभारियों के हाथों में पहुंच गई। प्रशासनिक दृष्टि से किए गए इस फेरबदल को जिले की पुलिस व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है। आदेश 20 अगस्त 2026 को जारी किया गया है।



ही में दर्ज हुई गुमशुदगी की रिपोर्ट का मिलान किया जा रहा है। उपनती बनास नदी में मिले इस शव ने बारिश के मौसम में नदी-नालों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक बार फिर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

बनास नदी में एक अज्ञात शव
बहकर आया है, जो एक पेड़ की
टहनी में फंसा हुआ है, मामलें की
जानकारी लगते ही मौके पर पहुंच
शव की शिनाख्त की जा रही है,
ऐसी आशंका जाहिर की जा रही
की नदी में शव बहकर यहां आ
गया होगा, मामले की पड़ताल की
जा रही है।

शिंवेंद्र भगत
थाना प्रभारी, सीधी

सीधी पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाकर मामले की जांच शुरू कर दी है।
थाना प्रभारी ने बताया कि मौत के सही कारणों का खुलासा पीएमएल रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।
वहीं, मृतक की शिनाखा के लिए पास आसपास के गांवों, पंचायतों और नजदीकी थानों से संपर्क कर हालत

शहडोल। जिले के पपौथ थाना क्षेत्र के ग्राम बराम में एक बेहद दुःखद हादसा सामने आया है, जहां अगरत नाला में डूबने से 61 वर्षीय बुजुर्ग मंगलदीन अगरिया पिता मित्रवा असरमा की अकाल मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मंगलदीन नियतकर्म के लिए नाले की ओर गए हुए थे। इसी दौरान अचानक पैर फिसलने या संतुलन खिगडने के कारण वे सीधे उपरफटे और बेहद गहरी नाली में जा गिरे और खुद को समाल नहीं सके। हादसे की खबर मिलते ही ग्रामीणों की सूचना पर पपौथ पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को बाहर निकलवाया। पुलिस ने मर्ग कायम कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है और मामले की जांच में जुटी है। इस दुःखद घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

A photograph showing three individuals seated at a long table during a press conference. From left to right: a man in a white shirt, a woman in a light-colored patterned blouse, and a man in a white shirt. They are all looking towards the camera. The background is a dark wood-paneled wall with the text 'कलक्ट शिडल (म.प्र.)' (Collector's Office, M.P.) visible. There are also some colorful balloons (orange, green, white) hanging from the top.

हड़दोल। संभागायुक्त श्रीमती सुरभि गुप्ता ने जिले के प्रमुख जनकल्याणकारी व विकास योजनाओं की मैराथन समीक्षा बैठक ली। बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, पंचायत-व्यवरोजगार और वनाधिकार जैसे अहम मुद्दों पर कर्मियों की क्लास लेते हुए कमिश्नर ने स्थानीय नेताओं की शानन की प्राथमिकता वाली योजनाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए कमिश्नर ने कड़े निर्देश दिए कि हाई रिस्क (अख़्तिय भरी) गर्भवती ताताओं का प्रसव अनिवार्य रूप से जिला अस्पताल में ही कराया जाए, ताकि ऐन वक़्त पर चिकित्सालय में ही कराया जाए, ताकि ऐन वक़्त पर विशेषज्ञ चिकित्सकीय सुविधाएँ उपलब्ध हो सकें। उन्होंने एनएससी पंजीयन, शत-प्रतिशत टीकाकरण और एनएसपी/आशा कार्यकर्ताओं द्वारा गृह भेद निश्चित करने को कहा। साथ ही 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के आयुधान्य कार्ड बनाने के काम में तेजी लाने के निर्देश दिए।

गहिरा एवं बाल विकास विभाग को निर्देशित करते हुए संभागायुक्त ने कहा कि पोषण पुनर्वास केंद्र में उपचार के बाद डिस्चार्ज हुए गंभीर कुपोषित बच्चों को दोबारा कुपोषण के गर्त में न धकेले जाए। इसके लिए पुनरावर्जनों के फ़ील्ड भ्रमण की सख़्त डिजिटल रिकॉर्डिंग बनाई जाए। डीपीओ और सीडीपीओ को खुद की भागीदारी में आगंतुक आगंतुकों के निर्देशित करने दिए। साथ ही सक्षम आंगनवार्डों में तत्काल ध्वस्त नक़्क़न बहाल करने की हिदायत दी गई।

शिक्षा विभाग को आड़े हाथों लेते हुए कमिश्नर ने सभी छूटे हुए बच्चों का शत-प्रतिशत नामांकन कराने, समय पर किताबें वितरित करने और स्कूलों में विद्यार्थियों को उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए जिले के शेष बचे लगभग 40 हजार शिक्षकों को साक्षर करने के लिए व्यापक जन-अभियान चलाने को कहा।

बैठक में कमिश्नर ने वनाधिकार अधिनियम के तहत लंबित दावों का तत्काल निराकरण कर पात्राहितराष्ट्रियों को पट्टे सीपने के निर्देश दिए। स्वरोजगार योजनाओं (उद्यम क्रांति, बिरसा मुंडा, टंटया भील व एमएआरएलएम) के आगामी 6 माह के लक्ष्यों को समय सीमा में पूरा करने और एससी-एसटी अर्थवर्गों के निवारण अधिनियम के तहत राहत राशि तुरंत बांटने को कहा।

बैठक में मौजूद कलेक्टर पाथं जायसवाल ने अधिकारियों को पीपुल विश्वकर्मा योजना के तहत लाभान्वित हितराष्ट्रियों का गतिविधि-वार डेटाबेस तैयार करने की हिदायत दी। उन्होंने सभी विभागध्यक्षों को निर्देश दिए कि स्वरोजगार योजनाओं के प्रकरण तत्काल तैयार कर बैंकों से ऋण राशि का वितरण सुनिश्चित कराएं। इस महत्त्वपूर्ण समीक्षा बैठक में जिला पंचायत सीईओ शिवममोहन प्रजापति, अपर कलेक्टर श्रीमती मिनिषा पाण्डेय, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती अन्तोनिया एक्का, भागीरथी लहरी समेत सभी प्रमुख विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।



अमले ने मौके पर पहुंचकर
आंदोलनकारियों की सभी प्रमुख
मांगों को स्वीकार कर लिया।
कलेक्टर के निर्देश पर सुबह
एसडीएम अर्चना मिश्रा, एसडीओपी
ऋषभ छारी और बीएमओ डॉ.
निशांत सिंह परिहार दलबल के साथ
अनशन स्थल पहुंचे। अधिकारियों ने
ने आंदोलनकारी हर्शिकर कोरी से
मांगों पर बिंदुवार चर्चा की। इसके
बाद अस्पताल कल्याण समिति के
प्रभारी राजबहादुर सिंह द्वारा सौंपा
गया लिखा आश्वासन पत्र पढ़कर
सुनाना गया। मांगों पर सहमति बनने

लिखित पत्र के बाद टूटी
हरिशंकर कोरी की भूख
हड़ताल, 25 दिन का
अल्टीमेटम

शहडोल। सिविल अस्पताल
ब्यूहारी की चरमराती स्वास्थ्य
व्यवस्था को पट्टी पर लाने की मांग
को लेकर स्वतंत्रता दिवस से जारी
आमरण अनशन आखिरकार
प्रशासन के लिखित आश्वासन के
बाद समाप्त हो गया। कबीर धर्म
समिति के संस्थापक एवं कांग्रेस
नेता हरिशंकर कोरी के बेमियादी
अनशन के छठे दिन प्रशासनिक

के बाद एसडीएम ने जूस पिलाकर उनका अनशन समाप्त कराया। इस दौरान पूर्व विधायक रामपाल सिंह

मेरी मौजूद रहें और उन्होंने जनार्दन को इन मांगों का खुलकर समर्थन किया।

सिविल अस्पताल में स्त्री रोग विशेषज्ञ की तैनाती की जाये, स्थानांतरित होकर आई डॉ. बबीता शर्मा जल्द ही ब्यौहारी सिविल अस्पताल में कार्यभार संभालेंगी।

अस्पताल के मरीजों के लिए डॉ. आर.एस. पांडे के केंद्र का टोकन जारी होगा। इसका पूरा खर्च सीएमएचओ कार्यालय वहन करेगा। अस्पताल में जल्द डायलिसिस यूनिट शुरू होगी। साथ ही वैडेंज, ट्रेसिंग और जरूरी दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

अनशन समाप्त होने के बाद कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष सत्येंद्र त्रिपाठी और जिला पंचायत अध्यक्ष पुष्पेंद्र पटेल ने साफ कहा कि यह सिर्फ अनशन का अंत है, संघर्ष का नहीं। यदि प्रशासन ने 25 दिनों के भीतर दिए गए लिखित आदेशनों को जमीन पर नहीं उतारा, तो पूरे क्षेत्र में उग्र आंदोलन छेड़ा जाएगा। वहीं वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. अशोक तिवारी ने स्वास्थ व्यस्थता पर सवाल उठाते हुए कहा कि ब्यौहारी को जिला बनाने की मांग के बीच एक 60 वर्षीय बुजुर्ग को मूलभूत स्वास्थ सेवाओं के लिए अन्न-जल त्यागना पड़े, यह बेहद चिंताजनक है। कार्यक्रम में अनिल नामदेव पप्पू समेत बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।



भारिया। जिला अस्पताल से शहडोल मेडिकल कॉलेज ले जाने समय दम तोड़ने वाली एक प्रसूता के अंतिम संस्कार की तैयारियों के बीच गांव में एक रंगटे खड़े कर देने वाला वाक्या सामने आया है। मृतका की मय्यत के पास अचानक पहुंची एक सिरिफरी महिला ने यह कहकर सनसनी फैला दी कि उसी ने तंत्र-मंत्र और जादू-टोने के जरिए प्रसूता को मौत पहुंचाने की बात कही। महिला और अपरा-तफरी मच गई।

अध्विक्षास और गुस्से से उबल पड़े ग्रामीणों ने आनन-फानन में कथित आरोपी महिला और उसके पति को मौके पर ही धर दबाया तथा उन्हें बंधक बनाकर कमरे में कैद कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में भारी तावाव को देखते हुए जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी और कोतवाली पुलिस का भारी बल दलबल के साथ गांव पहुंचा। पुलिस ने किसी तरह उग्र भीड़ को शांत कराकर पति-पत्नी को अपने कब्जे में लिया और सुरक्षात्मक तरीके से उमरिया कोतवाली भिजवाया।

गांव में जुटी पुलिस, शांति की अपील

इस अजीबोगरीब और सनसनीखेज मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने गहन तपतीश शुरू कर दी है। कोतवाली पुलिस का कहना है कि प्रसूता की मौत के वास्तविक चिकित्सकीय कारणों, मेडिकल रिपोर्ट तथा महिला द्वारा किए जा रहे तांत्रिक दावों की वैज्ञानिक व कानूनी धरातल पर पड़ताल की जा रही है। घटना के बाद से गांव में तनावपूर्ण शांति बनी हुई है, जिसे देखते हुए एहतियातन पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस प्रशासन ने ग्रामीणों से किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है।

श्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प

अभियान एवं यात्रा का आयोजन 27 अगस्त तक

उमरिया। श्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान के तहत समरसता संकल्प अभियान एवं यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में उमरिया से यात्रा का शुभारंभ 20 अगस्त को हुआ। यात्रा 21 अगस्त को उमरिया से भरोली, भरोला, लोढ़ा, पाली, दुखार, सलैया, धीरखोह और बांका होते हुए चंडिया पहुंचेगी जहां यात्रा का रात्रि विश्राम होगा। इसी तरह 22 अगस्त को यह यात्रा चंडिया से प्रारंभ होकर मझगांव, कौडिया, अखड़ा, ओबरा, बड़खेरा-16 खिलासपुर, हरवाह, पठारीखुर्द, सिलपरी, निगहरी होते हुए चंदवार पहुंचेगी तथा रात्रि विश्राम होगा। 23 अगस्त को यह यात्रा महरोई, किरवाताल, करकेली, सिलौडी, देवडंडी, देवरी, महुरा, पिन्नौरा, छपरी, नौरोजाबाद वार्ड नंबर 14, 09, 02, छांदखुर्द होते हुए पाली पहुंचेगी जहां यात्रा का रात्रि विश्राम होगा। 24 अगस्त को यह यात्रा पाली वार्ड नंबर 12 से प्रारंभ होकर वार्ड क्रमांक 10,11,9,7,5, मुदरिया, घुनगुटी, महरोई, अमिलिहा, शहपुर, खोलखम्हरा, वाका होते हुए बकेली पहुंचेगी जहां रात्रि विश्राम होगा। 25 अगस्त को यह यात्रा चौरी से प्रारंभ होकर बिजौरी, कठार, नौगांव, गोवर्द, मानपुर, सेमरी, सेमरा, सिव्हाडी, मंडारी, कुठुलिया, पतौरी, पनवाथा, चंदवार, झाल, मोलेगढ़, इंदवार, होते हुए भरेवा पहुंचेगी जहां यात्रा का रात्रि विश्राम होगा। इसी प्रकार 27 अगस्त को यह यात्रा महेमर से प्रारंभ होकर घंघरी, कछरवार, धनवाही, अंचला होते हुए उमरिया पहुंचेगी। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने कलश यात्रा के सुचारू संचालन के लिए संशोधित विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि स्ट चार्ट अनुसार कलश यात्रा जिस ग्राम पंचायत/नगर की वर्णित बसाहट से गुजरेगी,

कलचुरी समाज हुआ समरस-मंत्री दिलीप जायसवाल

रोटी-बेटी के संबंधों से बड़ी सामाजिक एकता संगठन और महिलाओं की भागीदारी पर जोरडॉ. राजेश जायसवाल बने वरिष्ठ कार्यकारी अध्यक्ष

अमरकंटक। अनूपपुर जिले के पवित्र नगरी मां नर्मदा के गोद अमरकंटक में मध्यप्रदेश कलचुरी समवर्गीय महासभा की प्रदेश कार्यकारिणी बैठक अमरकंटक में आयोजित हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ राजराजेश्वर कार्तवीर्य भगवान सहस्त्रबाहु के पूजन-अर्चन से हुआ। बैठक में समाज की एकता, सामाजिक समरसता, संगठन की मजबूती और महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर चर्चा हुई। मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि कलार समाज के विभिन्न वर्गों में रोटी-बेटी के संबंध बढ़ रहे हैं और सामाजिक दूरियां कम हो रही हैं। उन्होंने समाज को संगठित और समरस बनाने में सामाजिक संगठनों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। मंत्री जायसवाल ने आगे कहा कि अतीत में ताकतवर लोगों ने अपने हित और दृष्टिकोण के अनुरूप इतिहास प्रस्तुत किया, जिसके कारण अनेक समाजों और महापुरुषों के योगदान को उचित स्थान नहीं मिल पाया। उन्होंने कहा कि अब केंद्र और राज्य सरकार भारत के वास्तविक एवं गौरवशाली इतिहास को सामने लाने का प्रयास कर रही हैं। भगवान सहस्त्रबाहु सहित समाज के महापुरुषों के योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाना आवश्यक है। प्रदेश अध्यक्ष मुन्नालाल जायसवाल ने महासभा की गतिविधियों और आगामी कार्ययोजना की जानकारी देते हुए संगठन को गतिशील और मजबूत बनाने के लिए अनुभवी एवं सक्रिय सहयोगियों को जिम्मेदारी देने की आवश्यकता बताई। उनके आह्वान पर राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष मनोहर चौकसे ने डॉ. राजेश जायसवाल के नाम का प्रस्ताव वरिष्ठ कार्यकारी अध्यक्ष पद के लिए रखे। राष्ट्रीय महामंत्री राकेश कुमार जायसवाल ने प्रस्ताव का समर्थन किया। उपस्थित समाजजनों ने करतल ध्वनि से प्रस्ताव का अनुमोदन किया। इसके बाद डॉ. राजेश जायसवाल को मध्यप्रदेश कलचुरी समवर्गीय महासभा का वरिष्ठ कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने की घोषणा की गई। समाजजनों ने डॉ राजेश जायसवाल का स्वागत कर नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने पर जोर राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष श्रीमती आशा राय के मुख्य आतिथ्य में महिला सत्र हुआ। अध्यक्षता श्रीमती स्वाति जायसवाल ने की और संचालन श्रीमती सुनयना



जायसवाल ने किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती आशा राय ने कहा कि समाज के विकास और नेतृत्व में महिलाओं की भूमिका को और व्यापक बनाने की आवश्यकता है। महिलाओं को संगठनात्मक गतिविधियों के साथ राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में आगे आने के लिए प्रोत्साहित करने पर जोर दिया गया। सही इतिहास नई पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि पूर्व में ताकतवर लोगों ने अपने हितों के अनुरूप इतिहास प्रस्तुत किया। अब केंद्र और राज्य सरकार भारत के वास्तविक एवं गौरवशाली इतिहास को सामने लाने का प्रयास कर रही हैं। उन्होंने भगवान सहस्त्रबाहु सहित समाज के महापुरुषों के योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थियों एवं विशिष्ट जनों का सम्मान भी किया गया। संस्कारधानी जबलपुर से मनोहर चौकसे, डॉ. राजेश जायसवाल, राजेश जायसवाल 'पप्पू', प्रशांत कर्मवीर, प्रशांत चौकसे, अम्बरीश राय, नवीन जायसवाल, सुनयना जायसवाल, सरिता चौकसे, पूर्णिमा राय, प्रमिला चौकसे, प्रभा चौकसे, प्रियंका जायसवाल, सुष्मिता राय एवं गीतांजलि राय, संरक्षक शतोश जायसवाल, रामकारण जायसवाल, अध्यक्ष शिवप्रसाद जायसवाल, उपाध्यक्ष मोहन जायसवाल, सचिव सुरेश जायसवाल, बिहारी जायसवाल, जिला अध्यक्ष ज्ञानचन्द जायसवाल, भोला जायसवाल, नागेन्द्र जायसवाल, प्रभाकर जायसवाल, आशाराम जायसवाल, राजीव जायसवाल, जयदीप जायसवाल, अभय जायसवाल, रामकुमार जायसवाल, संदीप जायसवाल, अशोक जयसवाल, कमलेश जायसवाल, मनोज जायसवाल, लवकेश जायसवार, ओमकार जयसवाल, राजेश जायसवाल, गिरधारी जायसवाल, गणेश जायसवाल, रोमांचक जायसवाल सहित समाजजन उपस्थित रहे।

राहडोल, उमरिया, अनूपपुर-आसपास हरिभूमि 6

महज कुछ माह पहले बनी सीसी रोड को ढोला लगाकर किया क्षतिग्रस्त

मानपुर: वार्ड-9 में कमीशानखोरी का खेल!

दोबारा टेंडर पाने की साजिश का आरोप

मानपुर। नगर परिषद मानपुर के अंतर्गत भ्रष्टाचार का एक और नया और अजूबा कारनामा सामने आया है। वार्ड क्रमांक 9 में पंचमुखी ढाबा के पास से बाईपास रोड को जोड़ने वाली लाखों रुपये की लागत से बनी नई सीसी रोड गुणवत्ताहीन निर्माण के कारण तो दम तोड़ ही रही थी, अब उसे जानबूझकर क्षतिग्रस्त करने का धिनौना खेल खेला जा रहा है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि रोड पर ढोला (भारी अवरोध/पत्थर) डालकर उसे तोड़ा जा रहा है, ताकि सडक को जल्दी जर्जर दिखाकर दोबारा निर्माण का बजट पास कराया जा सके। इस घटिया निर्माण और कारनामे से नगर परिषद के इंजीनियर, क्षेत्रीय पार्षद और ठेकेदार की संदिग्ध भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

लाखों की लागत पर फिरा पानी

स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों ने बताया कि वन तालाब के आगे बनी यह सीसी रोड कुछ ही महीने पहले तैयार की गई थी। निर्माण के समय से ही इसमें मापदंडों की जमकर अनदेखी की गई। सीमेंट और गिट्टी के घटिया मिश्रण के चलते सडक कुछ ही दिनों में उखड़ने लगी थी। अब जब भ्रष्टाचार की परतें खुलने लगी हैं, तो ठेकेदार द्वारा सडक के ऊपर भारी-भरकम ढोला रखवाकर उसे क्षतिग्रस्त किया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि यह पूरी कवायद केवल इसलिए की जा रही है ताकि सडक पूरी तरह ध्वस्त हो जाए और कागजों में नया प्रस्ताव बनाकर एक बार फिर से शासकीय धन का बंदरबांट किया जा सके।

अधिकारियों की चुप्पी से बढ़ा ठेकेदारों का हौसला

नगर परिषद मानपुर में निर्माण कार्यों में भर्शाही कोई नई बात नहीं है। आरोप है कि नगर परिषद के जिम्मेदार इंजीनियरों की सांठ-गांठ और अनदेखी के चलते ठेकेदार बेखोफ होकर घटिया निर्माण



करा रहे हैं। बिना किसी जांच और गुणवत्ता परीक्षण के निर्माण कार्यों का भुगतान कर दिया जाता है। वार्डवासियों का कहना है कि जब जिम्मेदार अधिकारी ही अपनी आंखें मूंद लेंगे, तो जनता के टैक्स के पैसे का इसी तरह दुरुपयोग होता रहेगा। वर्तमान में इस क्षतिग्रस्त सडक के कारण वहां से गुजरने वाले दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, और आए दिन दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है।

संजय गांधी ताप विद्युत गृह की वीआईपी कॉलोनी में दुस्साहसिक वारदात, 12 लाख से अधिक के जेवर-नगदी व हथियार पार

उमरिया। जिले के अति-सुरक्षित माने जाने वाले संजय गांधी ताप विद्युत गृह (पाली) की आवासीय कॉलोनी में चोरो ने दुस्साहस का परिचय देते हुए एक वरिष्ठ अधिकारी के सुने बंगले को निशाना बनाया है। सुपरिटेन्ट इंजीनियर (एसई) वीरेन्द्र कुमार सिंह बघेल के सरकारी आवास का ताला चटकाकर अज्ञात बदमाश 10 तोला सोना, ढाई लाख रुपये नगद और दो लाइसेंसी बंदूकों समेत करीब 12 से 15 लाख रुपये का माल समेट ले गए। घटना के सामने आते ही पावर प्लांट प्रबंधन और स्थानीय पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया है। मिली जानकारी के अनुसार, एसई वीरेंद्र कुमार सिंह बघेल 7 अगस्त को अपने परिवार के साथ गृह जिला रोवा गए हुए थे। इस दौरान सूने मकान को देखकर शांतिर चोरों ने बाउंड्री



पार कर वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने न केवल अलमारी में रखे सोने के आभूषण व ढाई लाख रुपये नगदी पर हाथ साफ किया, बल्कि 4 लाख रुपये मूल्य की दो बंदूकें और 25 हजार रुपये की एयर गन भी चुरा ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। पाली थाना प्रभारी गोविंद सिंह ने बताया कि मामले की संवेदनशीलता को

देखते हुए फॉरेंसिक फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट्स और डॉग स्क्वाड को बुलाया गया है। घटना स्थल से अहम सुराग जुटाए जा रहे हैं और आसपास के सी-सीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। इस सनसनीखेज चोरी ने विद्युत गृह परिसर की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है। पंडित एसई बघेल ने इस पूरी घटना के पीछे चौफ इंजीनियर एचके त्रिपाठी पर षड्यंत्र रचने का गंभीर आरोप लगाया है, जिससे मामला और गरमा गया है। बहरहाल, हाई-प्रोफाइल कॉलोनी में हुई इस दुस्साहसिक चोरी से कर्मचारी वर्ग में दहशत और आक्रोश का माहौल है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही गिरोह का पर्दाफाश कर आरोपियों को सलाखों के पीछे भेजा जाएगा।

251 श्रीमद्भागवत मूल-पोथी पाठ से भक्तिमय हुआ अमरकंटक, कथा में उमड़ रहे श्रद्धालु

कल्याण सेवा आश्रम में गूंज रही श्रीराम कथामृत की रसधारा

अमरकंटक। मां नर्मदा की उद्गमस्थली और तपोभूमि अमरकंटक इन दिनों श्रीराम नाम, श्रीमद्भागवत कथा और वैदिक मंत्रोच्चार से गुंजायमान है। कल्याण सेवा आश्रम के विशाल सभागार में आयोजित दिव्य श्रीराम कथामृत ज्ञान महायज्ञ महोत्सव एवं 251 श्रीमद्भागवत मूल-पोथी पाठ ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया है। कथा और भागवत पाठ में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर धर्म, भक्ति और आध्यात्मिक ज्ञान का लाभ ले रहे हैं। ब्रह्मलीन संत शिरोमणि श्री श्री 1008 श्री रामजी बाबा कोकिल जी महाराज, श्रीधाम वृंदावन की पावन प्रेरणा से वार्षिक परंपरा के अनुसार यह धार्मिक महोत्सव श्री कोकिल बाबा सत्संग समिति, श्रीधाम वृंदावन के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। आयोजन में श्री श्री 108 श्री कोकिल पुष्प जी महाराज के श्रीमुख से श्रद्धालुओं को श्रीराम कथामृत का रसपान कराया जा रहा है। कथा वाचक श्री कोकिल पुष्प जी महाराज की ओजस्वी और भावपूर्ण वाणी से भगवान श्रीराम के आदर्श, मर्यादा, त्याग, करुणा, प्रेम और लोककल्याण के संदेश श्रद्धालुओं तक पहुंच रहे हैं। कथा के दौरान रामचरित के विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से धर्म और मर्यादा के मार्ग पर चलने तथा जीवन में सद्गुणों के माध्यम से धर्म और मर्यादा के मार्ग को आत्मसात करना का संदेश दिया जा रहा है। कथा स्थल पर श्रद्धालु भक्ति में लीन नजर आ रहे हैं। श्रीराम नाम के जयघोष और कथा के प्रसंगों के बीच पूरा वातावरण भक्तिमय बना हुआ है।



251 मूल-पोथी पाठ से गूंज रहा आश्रम

वहीं आचार्य संजीव शास्त्री के नेतृत्व में विद्वान आचार्यों द्वारा 251 श्रीमद्भागवत मूल-पोथी पाठ कराया जा रहा है। एक साथ बड़ी संख्या में मूल-पोथियों के पाठ से कल्याण सेवा आश्रम परिसर वैदिक मंत्रोच्चार और हरिनाम संकीर्तन से गुंजायमान हो रहा है। श्रीमद्भागवत के दिव्य प्रसंगों के पाठ के बीच श्रद्धालुओं को भक्ति, वैराग्य, धर्म और आध्यात्मिक जीवन के मर्म को समझने का अवसर मिल रहा है। अमरकंटक की शांति और आध्यात्मिक भूमि पर हो रहा यह आयोजन श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। महोत्सव का शुभारंभ 15 अगस्त को प्रातः 7:30 बजे भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ था। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इसके बाद श्रीमद्भागवत मूल-पोथी पाठ

का शुभारंभ किया गया, जो निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार निरंतर जारी है। श्रीराम कथामृत ज्ञान महायज्ञ महोत्सव 15 से 21 अगस्त तक आयोजित किया जा रहा है। प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक श्रीराम कथा होगी। वहीं 15 अगस्त को प्रातः 10 बजे से तथा 16 से 21 अगस्त तक प्रतिदिन प्रातः 8 बजे से श्रीमद्भागवत मूल-पोथी पाठ कराया जा रहा है। सभी धार्मिक कार्यक्रम श्री कल्याण सेवा आश्रम, अमरकंटक में आयोजित किए जा रहे हैं।

श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था

आयोजन समिति द्वारा बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसादी की भी समुचित व्यवस्था की गई है। प्रतिदिन दोपहर 11:30 बजे से 1 बजे तक तथा शाम 7 बजे से 9 बजे तक भोजन प्रसादी वितरित की जा रही है। समिति द्वारा

श्रद्धालुओं की सुविधा और सेवा को विशेष प्राथमिकता दी गई है। आयोजन समिति के अनुसार श्रीराम कथा और श्रीमद्भागवत मूल-पोथी पाठ का यह महोत्सव केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है, बल्कि भक्ति, ज्ञान, संस्कार और सेवा का त्रिवेणी संगम है। श्रीराम कथा के माध्यम से मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश दिया जा रहा है, जबकि श्रीमद्भागवत के माध्यम से जीवन के आध्यात्मिक पक्ष और भक्ति मार्ग का ज्ञान कराया जा रहा है। मां नर्मदा की उद्गमस्थली अमरकंटक में श्रीराम नाम, भागवत कथा और वैदिक मंत्रों की गूंज श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक अनुभूति का माध्यम बनी हुई है। आयोजन समिति ने धर्मप्रेमी नागरिकों और श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कथा एवं भागवत पाठ का श्रवण करने और

पुण्यलाभ अर्जित करने की अपील की है।

रयमान मंडल में ये श्रद्धालु शामिल

धार्मिक आयोजन में यजमान मंडल के रूप में आरके अग्रवाल, श्याम विजय, नरेन्द्र कुमार टांक, गजेन्द्र कुमार टांक, दिनेश कुमार केडिया, ओम प्रकाश शर्मा, राधेश्याम सोनी, श्रीमती प्रेमलता राठोड़, गायत्री माहेश्वरी, जेएन मीना, डॉ. गजेन्द्र शंकर जोहरी, सुरेन्द्र अग्रवाल, शशिकांत यादव (देवास) एवं राधेश्याम गुप्ता (झालरापाटन) सहित अन्य श्रद्धालु सहभागिता कर रहे हैं। अमरकंटक की पावन धरा पर चल रहा यह धार्मिक महोत्सव श्रद्धालुओं को श्रीराम के आदर्शों, श्रीमद्भागवत के आध्यात्मिक ज्ञान और सनातन संस्कृति से जुड़ने का अवसर प्रदान कर रहा है।

40 सूत्रीय मांगों को लेकर भारतीय मजदूर संघ का जोरदार प्रदर्शन, सैकड़ों महिला-पुरुष श्रमिकों ने मरी हुंकार, महाप्रबंधक को सौंपा ज्ञापन

बदरा/जमुना। भारतीय मजदूर संघ जमुना-कोतमा क्षेत्र द्वारा 18 अगस्त को श्रमिकों की 40 सूत्रीय मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन में क्षेत्र की विभिन्न खदानों एवं इकाइयों से सैकड़ों की संख्या में महिला-पुरुष श्रमिक, श्रमिक संघ के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि शामिल हुए। श्रमिकों ने अपनी मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी करते हुए प्रबंधन से समस्याओं के तत्काल निराकरण की मांग की। प्रदर्शन के बाद भारतीय मजदूर संघ जमुना-कोतमा क्षेत्र के महामंत्री रोशन उपाध्याय के नेतृत्व में महाप्रबंधक को 40 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में केवई नदी से गोविंदा फिल्टर प्लांट तक 14 ईंच की नई पाइप लाइन बिछाने, क्षेत्र में मॉडल जिम का निर्माण कर आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने तथा क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों का अन्य क्षेत्र में स्थानांतरण नहीं करने की मांग की गई। संगठन ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र से बाहर उन्हीं श्रमिकों का स्थानांतरण किया जाए, जो स्वेच्छा से आवेदन देकर स्थानांतरण कराना चाहते हैं। श्रमिक संगठन ने क्षेत्र में लंबित पदोन्नतियां तत्काल जारी करने तथा आने वाले बजट के तुरंत बाद पदोन्नति सुनिश्चित करने की मांग उठाई है। श्रमिक



आवासों में मच्छर जाली एवं जाली फ्रेम नहीं होने पर फ्रेम सहित नई जाली लगाने, खिड़की-दरवाजे नए लगाने तथा सभी श्रमिक आवासों में लगे सीलिंग फैन बदलकर नए पंखे लगाने की मांग भी ज्ञापन में शामिल है। भालुमाड़ा एवं गोविंदा में घोषित बिजली कटौती बंद करने तथा क्षेत्र की कॉलोनियों में श्रमिक आवासों की पुताई कराने की मांग की गई है। ज्ञापन में क्षेत्र के श्रमिक आवासों में लगे ओवरहेड टैंक एवं सेंटिक टैंक की सफाई कराने, रीजनल स्टोर जमुना

कॉलरी में झाड़ी कटाई एवं सफाई कराने तथा सभी फिल्टर प्लांटों में पर्याप्त श्रम शक्ति उपलब्ध कराने की मांग रखी गई। जमुना कॉलरी के डंप स्टोरी स्थित नाले की सफाई कराने और क्षेत्र की समस्त कॉलोनियों में खाली पड़े एवं टूटे-फूटे आवासों के आगे-पीछे उगी बड़ी-बड़ी झाड़ियाँ एवं गंदगी के अंबार की तत्काल सफाई कराने पर भी जोर दिया गया। कॉलोनियों को पानी की सप्लाई करने वाली बड़ी-बड़ी ओवरहेड टैंकियों की जर्जर स्थिति को सुरक्षा की दृष्टि से तत्काल सुधारने अथवा नई टंकी बनाने की मांग की गई है। अमाडांड औसीपी में गमछा, टॉच, रैनकोट एवं चमड़े का जूता उपलब्ध कराने तथा क्षेत्र में कार्यरत सभी विद्युत फिटर को केश हेलमेट देने की मांग भी ज्ञापन में रखी गई है। संगठन ने क्षेत्र में कार्यरत सर्वेयरों की भर्ती एवं पदोन्नति सुधार के उपरांत उनके एरियर्स का भुगतान कराने की मांग की है। क्षेत्रीय चिकित्सालय में अतिरिक्त पुरुष एवं महिला ड्रेस, स्पेशलिस्ट डॉक्टर एवं पैरा मेडिकल स्टाफ उपलब्ध कराने तथा मरीजों के लिए नए बेड लगाने के साथ कंबल, स्टूल एवं डेस्क उपलब्ध कराने की मांग की गई है। भर्ती होने वाले मरीजों के लिए ड्रेस कोड बनाकर प्रत्येक

मरीज को साफ-सुथरा ड्रेस देने और प्रतिदिन ड्रेस बदलने की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग भी की गई। क्षेत्रीय चिकित्सालय के वार्ड में टेलीविजन लगाने, जमुना सामुदायिक भवन, बदरा सामुदायिक भवन एवं गोविंदा वक्स क्लब का जीर्णोद्धार कराने तथा चिकित्सालय में कार्यरत नीलम यादव का काटा गया पैसा वापस करने की मांग ज्ञापन में शामिल है। बदरा 7/8 खदान, क्षेत्रीय कार्यशाला कोतमा कॉलरी, जमुना कॉलरी एवं महाप्रबंधक कार्यालय का रविवार का कार्यदिवस चालू करने की मांग भी संगठन ने उठाई है। क्षेत्र के सभी फिल्टर प्लांट के रॉ वाटर टैंक की सफाई, क्षेत्रीय चिकित्सालय में ऑटोएनालाइजर ब्लड टेस्ट मशीन तत्काल लगाने तथा चिकित्सालय में मुद्दीघर बनवाने की मांग की गई। अमाडांड औसीप में अतिरिक्त क्रेन उपलब्ध कराने तथा क्षेत्र की बरतराई खदान में कार्यरत स्टाफ एवं कामगारों का वर्षों से लंबित पीएस-5 भेजकर पीएफ की राशि समायोजित कराने की मांग भी ज्ञापन में रखी गई है। इसके अलावा क्षेत्र की समस्त कॉलोनियों में स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग को भी प्रमुखता से उठाया गया।



शासकीय महाविद्यालय बीरसिंहपुर पाली में सद्भावना दिवस

ख़बर संक्षेप

कल राजस्व अधिकारियों की बैठक

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में राजस्व विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक 22 अगस्त की पूर्वाह्न 11 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई है। बैठक में संबंधितों को नियत समय पर उपस्थिति के निर्देश दिए गए हैं।

युवा संगम रोजगार मेला आज

उमरिया। युवा संगम रोजगार मेले का आयोजन 21 अगस्त को सुबह 11 बजे से रानी दुर्गावती सदन उमरिया में आयोजित किया गया है। जिला रोजगार अधिकारी अमन दुबे ने बताया कि मेले में रावदा फॉर्से प्राइवेट लिमि, निपुन मुदती सर्विसेज हिरिंग, श्रीराम फायनेंस , एसबीआई , प्रथम एजुकेशन जबलपुर, वर्धमान मंडी दीप भोपाल, एलआई सी उमरिया, टी एस पी एल ग्रुप प्रुप्री, परपेक्ट सलूशन सर्विसेज अहमदाबाद, गोल्डन आगेनिक, एबीकएचर प्राइवेट लिमि0 आर एस डब्ल्यू एम लिमि0 भोलवाडा, एस आई एस प्रशिक्षण केंद्र अनूपपुर की कंपनी शामिल होगी ।

आज ग्राम पंचायत अमिलिहा में आयोजित होगा शिविर

उमरिया। जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 7 अगस्त 2026 से 8 जनवरी 2027 तक मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान प्रत्येक सप्ताह के पंचम दिवस अर्थात शुक्रवार को शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित हो रहा है। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने जिला और खण्ड स्तर के सभी अधिकारियों को शिविर में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने तथा जनसंवाद एवं उद्योग संवाद में शामिल होने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि अधिकारी शिविर में शामिल होने से पूर्व ग्रामों एवं शहरी वार्डों में पहुंचकर अपने अधीनस्थ कार्यालयों, छात्रावास, विद्यालय, अस्पताल, उचित मूल्य दुकान एवं अन्य संस्थाओं का निरीक्षण करेंगे तथा तदुपरांत दोपहर 3 बजे से सायं 5 बजे तक आयोजित जन संवाद स्थल में उपस्थित होकर अपने अपने विभाग के किंग गैज निरीक्षण की विस्तृत जानकारी से अवगत करावेंगे तथा शासन की हितावाही मूलक योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करेंगे।अगस्त माह में आयोजित होने वाले शिविरों के क्रम में 21 अगस्त को जनपद पंचायत पाली के ग्राम पंचायत अमिलिहा में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का शिविर लगेगा। इसमें ग्राम पंचायत अमिलिहा, कुसमहाखुद, चंकेनिया, खोलखहन्ना, मालाडुआ, नरवार, शाहपुर, रौगढ़, हथपुआ, औदेरा एवं महरोई के साथ ही नगर परिषद पालिका परिषद पाली के वार्ड नंबर 9 विरासिनी देवी में अधिकारी कमण कर योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी लेने तथा संबंधित शासकीय केंद्रों का निरीक्षण करेंगे ।

पत्नी पर कुल्हाड़ी से हमला करने के अगले दिन पति ने फांसी लगाकर दी जान

अनूपपुर। अमरकंटक थाना क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 11 बैक टोला में पति-पत्नी के बीच हुआ विवाद दूसरे दिन बेहद दुखद मोड़ पर पहुंच गया। शराब के नशे में पति ने खाना देने में देरी को लेकर पत्नी पर कुल्हाड़ी से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ मामला दर्ज किया। इसके अगले ही दिन पति ने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस के अनुसार 37 वर्षीय धन सिंह उरती निवासी सरहटौला गिरारी वर्तमान में बैक टोला में रहकर मजदूरी करता था। मंगलवार-बुधवार की दरमियांनी रात वह शराब के नशे में घर पहुंचा। खाना देने में देरी को लेकर उसका पत्नी पार्वती बाई से विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर धन सिंह ने घर में रखी कुल्हाड़ी उठाकर पत्नी के बाएं गाल और कान के पास चार कर दिया। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई।

नगर परिषद पार्षद श्रीमती जूली रजक के निधन पर शोक संवेदना

बुढ़ार। नगर परिषद बुढ़ार वार्ड क्र15 की पार्षद श्रीमती जूली रजक के असामयिक निधन पर जन प्रतिनिधियों, पार्षदों तथा नागरिकों ने

गहरा दुःख व्यक्त करते हुये शोक संवेदना व्यक्त की है। सरस्वती शिक्षा परिषद महाकौशल प्रांत के जिला सचिव तथा सरस्वती उ. मा. विद्यालय बुढ़ार के व्यवस्थापक रवि कुमार रजक की धर्मपत्नी एवं पूर्व भाजपा मण्डल बुढ़ार के अध्यक्ष हीरा लाल रजक की पुत्रवृत् श्रीमती जूली रजक का बुधवार को हृदयगति उठक जाने से असमय दुःखद निधन हो गया। श्रीमती जूली रजक नगर परिषद बुढ़ार वार्ड क्र15 की पार्षद थीं जो मिलनसार के साथ-साथ सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में बढवदकर अपनी सहभागिता निभाती थीं के निधन का समाचार नागरिकों तथा पार्षदों को मिलते ही उनमें शोक व्याप्त हो गया।

बिरसिंहपुर पाली

सद्भावना दिवस पर शपथ ग्रहण एवं अक्षय ऊर्जा पर कार्यक्रम आयोजित। युवा संगम रोजगार मेले का आयोजन 21 अगस्त को सुबह 11 बजे से रानी दुर्गावती सदन उमरिया में आयोजित किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. श्री हरलाल अहिरवार की उपस्थिति में संपन्न हुआ इस अवसर पर डॉ. श्री गंगाधर ढोके द्वारा उपस्थित प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं को सद्भावना दिवस की शपथ दिलाई गई। सभी ने जाति, धर्म, भाषा एवं क्षेत्र के भेदभाव से ऊपर उठकर आपसी भाईचारे, सद्भाव, एकता एवं सामाजिक समरसता बनाए रखने तथा देश की एकता और अखंडता के लिए कार्य करने का संकल्प लिया।कार्यक्रम में अक्षय ऊर्जा के महत्व पर भी विद्यार्थियों को जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा एवं जल ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग, ऊर्जा संरक्षण तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया।

घोरछत्र नदी में तैरती मिली अज्ञात युवक की लाश 3 दिन पुराने शव से फैली सनसनी



उमरिया। जिले के नौरोजाबाद थाना अंतर्गत ग्राम हड़हा से गुजरने वाली घोरछत्र नदी के निचले और बौहड़ इलाके में गुरुवार को उस वक्त हड़डंप मच गया, जब ग्रामीणों ने पानी में एक अज्ञात युवक का शव तैरते देखा। बौहड़ और दुर्गम जगह पर संदिग्ध अवस्था में लाश मिलने की खबर जंगल में आग की तरह फैल गई और मौके पर ग्रामीणों का जमावड़ा लग गया। सूचना मिलते ही नौरोजाबाद पुलिस बल के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और मामले को जांच में लिया।

दुर्गम रास्ते को पार कर पहुंची पुलिस

घटनास्थल अत्यधिक ऊबड़-खाबड़ और दुर्गम इलाके में होने के कारण पुलिस टीम को वहां तक पहुंचने में खासी मशक्कत करनी पड़ी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास के ग्रामीणों की मदद से शव को पानी से बाहर निकाला और वैधानिक पंचनामा तैयार किया। पुलिस

की प्राथमिक जांच और शव की स्थिति को देखते हुए अंदाजा लगाया जा रहा है कि मौत दो से तीन दिन पहले हो चुकी है। लगातार पानी में रहने के कारण शव फूलने लगा था।

पहचान बनी सबसे बड़ी पहेली

मृतक की उम्र और पहचान फिलहाल पुलिस के लिए एक बड़ी पहेली बनी हुई है। हुलिए के तौर पर पुलिस ने बताया कि मृतक ने संतरी रंग की शर्ट और नीले रंग की जींस पहन रखी है। नौरोजाबाद पुलिस ने आसपास के सभी सीमावर्ती गांवों, पंचायतों और थानों में गुप्तशुद्गी के रिकॉर्ड खंगालने शुरू कर दिए हैं। इसके साथ ही समीपस्थ ग्रामीण अंचलों में मुनादी कराकर व सोशल मीडिया के माध्यम से मृतक की शिनाख्त के प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

डूबने या हत्या? पीएम रिपोर्ट का इंतजार

मामले में थाना प्रभारी ने बताया कि शुरुआती नजरिया यही इशारा कर रहा है कि युवक की मौत नदी के गहरे पानी में डूबने से हुई होगी। हालांकि, पुलिस हर कोण से जांच में जुटी है कि यह महज एक हादसा है, आत्महत्या है या फिर किसी रंजिश के तहत वारदात को अंजाम देकर शव को नदी में फेंका गया है। पुलिस का कहना है कि मौत के सटीक कारणों और असल वजहों की पुष्टि विसरा जांच और विस्तृत पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। फिलहाल शव को मंचुरी में सुरक्षित रखवाकर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। इस घटना से पूरे हड़हा इलाके में तरह-तरह की चर्चाओं का बाजार गर्म है।

राजीव जी के त्याग व बलिदान का कांग्रेसजनों ने किया पुण्य स्मरण

बुढ़ार।भारत के पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न से सम्मानित स्वर्गीय राजीव गांधी की जयंती बुद्धार ब्लाक कांग्रेस कमेटेी द्वारा पूरे श्रद्धा एवं आस्थापूर्वक मनायी गई, और कांग्रेस जनो ने स्व. राजीव गांधी के देश हित में किये गये अविस्मरणीय कार्यों को पुण्य स्मरण किये।

कांग्रेस नेता भानु दीक्षित के निवास पर आयोजित पुण्य तिथि कार्यक्रम अवसर मे भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी के छायाचित्र पर कांग्रेस जनो ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धानमन किये इसके उपरान्त प्रिय नेता राजीव जी के प्रधानमंत्रित्व कार्यकाल में किये गये जनहितैषी कार्यों तथा उनके कार्यकाल में लिये निर्णयों पर कांग्रेस जनो ने अपने प्रेरक विचार रखे और आयोजित पत्रकार वार्ता में कांग्रेस पार्टी की उपलब्धियों व वर्तमान सरकार की विफलताओं पर वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किये।

जिले के वरिष्ठ कांग्रेस नेता हनुमान खण्डेलवाल, बलमीत सिंह



खनूजा, भानु दीक्षित, सुजीत सिंह चंदेल, इब्रार अहमद, नौशरमा खान, अंकित सिंह, अरविन्द नायक, मनोज जैन, पवन सोनी, मनू सिंह, सनाउल्ला, नीलम सिंह, अजय सिंह, संतोष सिंह सेगर, जितेन्द्र ताम्रकार, दीपक चौधरी, संजय बर्मन, अमन, अनस ने प्रिय पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धानमन किये। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कार्यवाहक अध्यक्ष बलमीत सिंह खनूजा ने स्व. राजीव गांधी के त्याग व समर्पण को स्मरण करते हुये

कहाकि - राजीव जी ने देश की एकता व अखण्डता की रक्षा में अपना अविस्मरणीय योगदान दिया जिन्हें समूचा राष्ट्र पुष्प स्मरण कर रहा है, और कांग्रेस पार्टी की जनहितैषी निर्णयों को स्मरण कर रहे हैं।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता हनुमान खण्डेलवाल ने कहाकि - कांग्रेस पार्टी को ऊँचाइयां अर्जित कराने तथा समाज के सभी वर्गों के उत्थान में राजीव गांधी जी का अविस्मरणीय योगदान रहा, और संगठन में अपनी भरपूर सहभागिता निभा रहे हैं।

गये निर्णयों को देशवासी स्मरण कर रहे हैं।जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष भानु दीक्षित ने कहाकि - कम्प्यूटर क्रांति में राजीव गांधी का अविस्मरणीय योगदान रहा और कांग्रेस पार्टी में प्रत्येक निष्ठावान कार्यकर्ताओं का सम्मान मिला ऐसी पार्टी और प्रिय नेता स्व. राजीव जी के सपनों के अनुरूप कांग्रेस पार्टी का प्रत्येक निष्ठावान कार्यकर्ता पूरे समर्पण व निष्ठापूर्वक दायित्वों का निर्वहन कर कांग्रेस पार्टी की नीतियों के अनुरूप संगठन में अपनी भरपूर सहभागिता निभा रहे हैं।

लोक सेवा गारंटी में देरी पर छह अधिकारियों पर 8500 रुपए जुर्माना कलेक्टर का एक्शन, तीन दिन में चालान जमा करने के निर्देश

अनूपपुर। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत निर्धारित समय-सीमा में नागरिकों को सेवाएं उपलब्ध नहीं कराने की प्रकरणों के निराकरण में देरी को जिला प्रशासन ने गंभीरता से लिया है। समय-सीमा से बाहर हुए प्रकरणों को लेकर कलेक्टर के निर्देश पर छह अधिकारियों के विरुद्ध शास्ति की कार्रवाई की गई है। संबंधित अधिकारियों पर कुल 8 हजार 500 रुपए का जुर्माना लगाया गया है तथा तीन दिन के भीतर जुर्माने की राशि का चालान जमा करने के निर्देश दिए गए हैं। लोक सेवा गारंटी व्यवस्था का उद्देश्य नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाएं निर्धारित समय-सीमा में उपलब्ध कराना है। इसके बावजूद कई प्रकरण निर्धारित अवधि में निराकृत नहीं किए गए। लोक सेवा गारंटी पोर्टल पर उपलब्ध प्रकरणों की समीक्षा के दौरान समय-सीमा से बाहर हुए मामलों को चिन्हित किया गया, जिसके बाद प्रशासन ने संबंधित पदामिहित अधिकारियों को जिम्मेदारी तय करते हुए कार्रवाई की। प्रशासन की इस कार्रवाई को नागरिक सेवाओं में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के लिए कड़ा संदेश माना जा रहा है। अधिकारियों को यह स्पष्ट किया गया है कि लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत प्राप्त आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण करना उनकी जिम्मेदारी है। अनावश्यक विलंब होने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध नियमानुसार आर्थिक दंड की कार्रवाई की जा सकती है। लोक सेवा गारंटी पोर्टल पर अनूपपुर जिले में विभिन्न विभागों के पदामिहित अधिकारियों के माध्यम से नागरिक सेवाएं

प्रदान की जा रही हैं। पोर्टल के अनुसार राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास तथा नगरीय प्रशासन सहित कई विभागों के अधिकारी इन सेवाओं के लिए जिम्मेदार हैं। प्रशासन द्वारा जारी निर्देश के अनुसार संबंधित छह अधिकारियों को अधिरोपित शास्ति की राशि का चालान तीन दिन के भीतर जमा करना होगा। समय-सीमा में चालान जमा नहीं करने की स्थिति में आगे की कार्रवाई की जा सकती है। कार्रवाई का उद्देश्य केवल जुर्माना वसूलना नहीं, बल्कि अधिकारियों को लोक सेवा गारंटी अधिनियम के प्रावधानों के प्रति जवाबदेह बनाना है। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत नागरिकों को निर्धारित अवधि में सेवाएं उपलब्ध कराना अनिवार्य है। आवेदन प्राप्त होने के बाद संबंधित पदामिहित अधिकारी को तय समय-सीमा के भीतर उसका निराकरण करना होता है। यदि अधिकारी की लापरवाही के कारण सेवा में अनावश्यक विलंब होता है तो अधिनियम के प्रावधानों के तहत शास्ति अधिरोपित की जा सकती है। मध्यप्रदेश के अन्य जिलों में भी समय-सीमा से बाहर हुए प्रकरणों पर अधिकारियों के विरुद्ध आर्थिक दंड की कार्रवाई की गई है। अनूपपुर में की गई कार्रवाई से यह संकेत मिला है कि जिला प्रशासन लोक सेवा गारंटी से जुड़े प्रकरणों की निगरानी को लेकर गंभीर है। आने वाले समय में यदि किसी अधिकारी द्वारा निर्धारित समय-सीमा में सेवाएं उपलब्ध नहीं कराई जाती है तो उसके विरुद्ध भी इसी तरह की कार्रवाई की जा सकती है। इससे आम नागरिकों को समय पर शासकीय सेवाएं उपलब्ध कराके की व्यवस्था मजबूत होने की उम्मीद है।

संत शिरोमणि श्री रविदास महाराज की जयंती के अवसर पर समरसता संकल्प अभियान का हुआ शुभारंभ



बैंड बाजे के साथ धूमधाम से निकाली गई कलश यात्रा जन जातीय कार्य विभाग द्वारा आयोजित समरसता संकल्प अभियान एवं कलश वंदन यात्रा का हुआ शुभारंभ

उमरिया। संत शिरोमणि श्री रविदास महाराज की 650वीं जयंती के



अवसर पर समरसता संकल्प अभियान का समारोह पूर्वक शुभारंभ हुआ। जन जातीय कार्य विभाग के संयोजकत्व में आयोजित समरसता संकल्प अभियान में कलश वंदन यात्रा बैंड बाजे के साथ धूमधाम से निकाली गई। स्थानीय रानी दुर्गावती भवन से प्रारंभ यात्रा उमरिया नगर पालिका के विभिन्न वार्डों का भ्रमण कर वार्ड क्रमांक 6 में पहुंची। कलश वंदन यात्रा में जनप्रतिनिधियों संत एवं श्रद्धालुओं, अधिकारियों एवं नागरिकों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में संत रविदास की जयंती के कार्यक्रमों के विषय में

विस्तार से जानकारी दी गई। प्रदेश से यह कार्यक्रम 20 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा। उमरिया जिले में कलश यात्रा सात दिनों तक संचालित होगी।। प्रदेश में संत रविदास की जन्म स्थली से मिटटी लाकर कलश के माध्यम से सभी जिलों में कलश भेजा गया है। जो निर्धारित रूट चार्ट के अनुसार जिले में भ्रमण करेगी। यह यात्रा हर वर्ग को एक साथ जोड़ने का कार्य कर संत रविदास जी के समरसता के संदेश को जन जन तक पहुंचाएगी। संत रविदास जी की 650 वीं जयंती वर्ष को मध्यप्रदेश में भव्यता और श्रद्धा के साथ मनाया जा

रहा है। संत शिरोमणि रविदास जी की पूजा अर्चना और आरती कर कलश यात्रा को रवाना किया गया। कार्यक्रम में संत शक्तिपीठ उंचेहराधाम के बड़े महाराज जी , आसुतोष अग्रवाल, राजेंद्र पांडेय, मिथिलेश पयासी, अरविंद बंसल, राकेश शर्मा, विष्णु भारती, मौजीलाल चौधरी, रामाधार चौधरी, राधे लाल कोल , सहाय अयुक्त पूजा द्विवेदी, संजय पांडे, सुमित गौतम, धनुषधारी सिंह, दीपक छतवानी, दिलीप प्रजापति सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि व संत्रांत जन उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप



तालाब में तीन दिन बाद मृत मिला अघेड का शव, पुलिस जांच में जुटी

अनूपपुर। जैतहरी थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत बैहार के गड्डी गांव में एक अघेड का शव तीन दिन बाद तालाब में मृत स्थिति में मिलने को सूचना पर जैतहरी पुलिस द्वारा जांच की जा रही है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार जैतहरी थाना क्षेत्र से 15 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत बैहार के गड्डी गांव में 3 दिन पूर्व 17 अगस्त से लापता 46 वर्षीय चंदू बैगा पिता बैसाखू बैगा निवासी ग्राम बैहार का शव तालाब में मृत स्थिति में मिला। जांच के दौरान तालाब में घुसकर जैतहरी पुलिस के द्वारा घटनास्थल पर पहुंचकर मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कथन ले कर जैतहरी अस्पताल में पोस्टमॉर्टम भेजते हुए जांच प्रारंभ की। ग्राम पंचायत के सरपंच समर बैगा ने बताया कि चंदू बैगा 17 अप्रैल को पड़ोस के गड्डी गांव में स्थित अपने खेत गया रहा जहां से वह वापस नहीं आने पर दो दिनों तक निरंतर परिजनों द्वारा खोजबीन की गई 19 अगस्त सुशान्वर की दोपहर ग्रामीणों द्वारा गड्डी गांव के तालाब में चंदू बैगा को मृत स्थिति में पानी के अंदर देखे जाने पर सूचना दी गई रही है जिससे संभावना व्यक्त की जा रही है कि चंदू बैगा की मौत तालाब में डूबने के कारण हो सकती है।

अमरकंटक में 5 यातायात पुलिसकर्मी तैनात, फुनगा चौकी का बल यातायात थाने से संबद्ध



अमरकंटक। धार्मिक एवं पर्यटन नगरी अमरकंटक में बढ़ते यातायात दबाव और श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती आवाजाही को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अमरकंटक में पांच यातायात पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। इसके साथ ही फुनगा चौकी के पुलिस बल को यातायात थाने से संबद्ध किया गया है। श्रावण मास सहित धार्मिक आयोजनों के दौरान अमरकंटक में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुंच रहे हैं। इस दौरान नगर के प्रमुख मार्गों, मंदिर क्षेत्र, पार्किंग स्थलों तथा प्रमुख पर्यटन स्थलों के आसपास वाहनों का दबाव बढ़ जाता है। ऐसे में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना पुलिस के लिए चुनौती बना रहता है। नई व्यवस्था के तहत तैनात यातायात पुलिसकर्मी प्रमुख मार्ग पर यातायात नियंत्रण, वाहनों की पार्किंग व्यवस्था, नो-स्टॉपी व्यवस्था के पालन तथा यातायात नियमों का पालन कराने की जिम्मेदारी संभालेंगे। ज़रूरत के अनुसार भीड़भाड़ वाले स्थानों पर यातायात को नियंत्रित करने के साथ बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को मार्गदर्शन भी दिया जाएगा। अमरकंटक में धार्मिक आयोजनों के दौरान कई बार सड़क किनारे वाहनों की अनियंत्रित पार्किंग के कारण जाम की स्थिति बन जाती है। इसके अलावा भारी वाहनों की आवाजाही और संघर्षे मार्गों पर बढ़ता यातायात भी परेशानी का कारण बनता है। ऐसे में अतिरिक्त यातायात बल की तैनाती से व्यवस्था में सुधार की उम्मीद है। पुलिस प्रशासन की इस पहल से अमरकंटक आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को सुगम यातायात व्यवस्था उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। वहीं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर कार्रवाई भी तेज होने की संभावना है।

अनूपपुर में छात्रसंघ चुनाव की आहट

नौ साल बाद फिर गरमाएंगे महाविद्यालय परिसर

बैठकों का दौर तेज, जमीन पर किसकी पकड़ होगी मजबूत?

अनूपपुर। मध्यप्रदेश में करीब नौ साल बाद छात्रसंघ चुनाव की संभावित वापसी ने अनूपपुर जिले की छात्र राजनीति में हलचल बढ़ा दी है। जिले के सात महाविद्यालयों में चुनावी चर्चाओं के बीच अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन और अखिल भारतीय छात्र संघ (आइसा) सहित विभिन्न छात्र संगठनों ने बैठकों, छात्र संपर्क और संगठनात्मक गतिविधियों को तेज कर दिया है। हालांकि अभी चुनाव की अंतिम प्रक्रिया और कार्यक्रम स्पष्ट नहीं हुआ है, लेकिन संभावित चुनाव को लेकर महाविद्यालय परिसरों में राजनीतिक माहौल बनने लगा है। वर्ष 2017 के बाद से छात्रसंघ चुनाव नहीं होने के कारण महाविद्यालयों में निर्वाचित छात्र प्रतिनिधित्व की व्यवस्था लंबे समय से ठप है। ऐसे में चुनाव की संभावित वापसी छात्र राजनीति में नई पीढ़ी के छात्र नेताओं के लिए बड़ा अवसर मानी जा रही है। इस बार चुनाव केवल पद हासिल करने की लड़ाई नहीं होगे, बल्कि लंबे अंतराल के बाद छात्र संगठनों की वास्तविक जमीनी ताकत, सक्रियता और छात्रों के बीच स्वीकार्यता की भी परीक्षा होगी।

विद्यार्थी परिषद के सामने संगठन की जमीन बचाने की चुनौती

अनूपपुर की छात्र राजनीति में लंबे समय से सक्रिय अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के लिए संभावित चुनाव प्रतिष्ठा का सवाल बन सकते हैं। संगठन के पास कार्यकर्ताओं का नेटवर्क और पुरानी पहचान जरूर है, लेकिन असली परीक्षा महाविद्यालय स्तर पर होगी। नौ साल के अंतराल के बाद क्या संगठन प्रत्येक महाविद्यालय में प्रभावी पैनल खड़ा कर पाएगा और पुराने कार्यकर्ताओं को फिर सक्रिय कर सकेगा, यह महत्वपूर्ण सवाल रहेगा। इस बार केवल संगठन का नाम या राजनीतिक पूष्ठभूमि पर्याप्त नहीं होगी। प्रत्याशी की व्यक्तिगत छवि, छात्रों के बीच उसका संपर्क और स्थानीय मुद्दों पर उसकी सक्रियता चुनावी परिणामों को प्रभावित कर सकती है। ऐसे में विद्यार्थी परिषद के सामने अपनी पुरानी पकड़ को नए छात्र मतदाताओं के बीच



साबित करने की चुनौती होगी।

बैठकों से आगे जमीन पर उतरना होगी असली चुनौती

फिलहाल छात्र संगठनों के स्तर पर बैठकों और तैयारियों का दौर शुरू हो गया है। संभावित प्रत्याशियों की तलाश के साथ महाविद्यालय परिसरों में छात्रों से संपर्क बढ़ाने की कवायद भी तेज होने की उम्मीद है। लेकिन राजनीतिक सक्रियता और जमीनी पकड़ में बड़ा अंतर होता है। कौन संगठन कितने महाविद्यालयों में मजबूत प्रत्याशी खड़ा कर पाता है, किसके उम्मीदवार छात्रों के बीच लोकप्रिय होते हैं और कौन छात्र समस्याओं को प्रभावी तरीके से उठाने में सफल रहता है, इसका असर चुनावी नतीजों पर पड़ सकता है।

एनएसयूआई के लिए वापसी का बड़ा मौका

कांग्रेस के भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के लिए भी छात्रसंघ

चुनाव अपनी जमीनी स्थिति मजबूत करने का अवसर बन सकते हैं। संगठन लंबे समय से छात्र हितों के मुद्दे उठाने का दावा करता रहा है। अब चुनाव की संभावित वापसी के साथ कार्यकर्ताओं की सक्रियता भी बढ़ने लगी है। छात्रवृत्ति, शुल्क, परीक्षा व्यवस्था, महाविद्यालयों में सुविधाओं की कमी, रोजगार और छात्र हितों से जुड़े मुद्दे संगठन के प्रमुख चुनावी मुद्दे बन सकते हैं। हालांकि राजनीतिक पहचान के साथ-साथ महाविद्यालय परिसरों में व्यक्तिगत संपर्क और प्रभावी प्रत्याशियों की भूमिका भी महत्वपूर्ण होगी। संगठन के सामने बैठकों से आगे बढ़कर छात्रों के बीच मजबूत जनाधार तैयार करने की चुनौती होगी।

आइसा के लिए जमीन बनाने का अवसर

विद्यार्थी परिषद और छात्र संगठन के बीच लंबे समय से चली आ रही पारंपरिक छात्र राजनीति के बीच अखिल भारतीय छात्र संघ यानी आइसा जैसे वैचारिक संगठन के लिए भी चुनाव नई

बेनामी संपत्ति की जांच में अब दस्तावेजों और खातों की अड़ताल, चार युवकों से घंटों पूछताछ

कोतमा क्षेत्र तक पहुंची आयकर विभाग की जांच

जमीन खरीद और करोड़ों के बैंक लेन-देन की कड़ियां जोड़ने में जुटी टीम

अनूपपुर/कोतमा। बेनामी संपत्तियों और संदिग्ध वित्तीय लेन-देन को लेकर आयकर विभाग की जांच अब कोतमा क्षेत्र तक पहुंच गई है। बुधवार को भोपाल से पहुंची आयकर विभाग की टीम ने कोतमा में कार्रवाई करते हुए चार युवकों को पूछताछ के लिए बीआरसी भवन ले जाकर कई घंटे तक पूछताछ की। सूत्रों के अनुसार सुबह शुरू हुई पूछताछ देर शाम तक चली। इस दौरान युवकों के बयान दर्ज किए गए तथा जमीनों की खरीद-फरोख्त और बैंक खातों से हुए लेन-देन से संबंधित जानकारी जुटाई गई। कार्रवाई के दौरान स्थानीय पुलिस बल भी मौजूद रहा। आयकर विभाग की यह कार्रवाई बेनामी संपत्तियों से जुड़े मामले की आगे की कड़ी बताई जा रही है। विभाग की टीम यह पता लगाने में जुटी है कि किन लोगों के नाम पर जमीनें खरीदी गईं, इन जमीनों के लिए धनराशि कहाँ से आई और संबंधित बैंक खातों से हुए बड़े लेन-देन का वास्तविक स्रोत क्या है। जांच के दौरान जमीनों की रजिस्ट्री, बैंक खातों तथा संबंधित व्यक्तियों के बीच आर्थिक संबंधों की जानकारी का मिलान किया जा रहा है।

गरीब आदिवासी युवकों के नाम पर जमीन का मामला

जांच में कथित तौर पर कुछ गरीब आदिवासी युवकों के नाम पर बड़ी मात्रा में जमीन खरीदे जाने तथा उनके बैंक खातों से करोड़ों रुपये के लेन-देन की जानकारी सामने आने की बात कही जा रही है। पूछताछ में शामिल युवकों से उनके बैंक खातों, जमीनों



और रजिस्ट्री से जुड़े दस्तावेजों के बारे में जानकारी ली गई। पूछताछ के दौरान एक युवक ने अपने बयान में स्वयं को कम पढ़ा-लिखा और मजदूरी करने वाला बताया। उसके अनुसार उसे अपने नाम पर कुछ बैंक खाते खुलने और जमीनों की खरीद के संबंध में पूरी जानकारी नहीं थी। उसने यह भी बताया कि उसके नाम पर खरीदी गई कुछ जमीनों की रजिस्ट्री में अन्य लोगों को गवाह बनाया गया था। हालांकि इन बयानों और आरोपों की वास्तविकता आयकर विभाग द्वारा दस्तावेजों के परीक्षण के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

14-15 घंटे चली पूछताछ

कार्रवाई के दौरान चार युवकों से लगभग 14 से 15 घंटे तक पूछताछ किए जाने की जानकारी सामने आई है। अधिकारियों ने उनसे अलग-अलग बिंदुओं पर सवाल किए। सूत्रों के अनुसार पूछताछ में सामने आई जानकारी को जमीनों के दस्तावेजों और बैंक खातों में हुए लेन-देन से मिलाया जा रहा है। जांच का

जमीन तैयार करने का अवसर दे सकते हैं। यदि चुनाव होते हैं तो संगठन शुल्क, छात्रवृत्ति, छात्रावास, पुस्तकालय, परीक्षा व्यवस्था, रोजगार और छात्र अधिकारों से जुड़े स्थानीय मुद्दों को केंद्र में रखकर अपनी अलग पहचान बनाने की कोशिश कर सकता है। हालांकि आइसा के सामने सबसे बड़ी चुनौती व्यापक छात्र आधार तैयार करने की होगी। केवल वैचारिक मुद्दों के बजाय महाविद्यालय स्तर की रोजमर्रा की समस्याओं से खुद को जोड़ना संगठन की वास्तविक ताकत तय कर सकता है।

सात महाविद्यालय, अलग-अलग समीकरण

अनूपपुर जिले के सात महाविद्यालयों में यदि छात्रसंघ चुनाव होते हैं तो प्रत्येक महाविद्यालय में अलग राजनीतिक समीकरण देखने को मिल सकते हैं। कहीं संगठन का प्रभाव निर्णायक हो सकता है तो कहीं किसी लोकप्रिय छात्र नेता की व्यक्तिगत छवि पूरा समीकरण बदल सकती है। लंबे समय तक चुनाव नहीं होने के कारण छात्रों की एक पूरी पीढ़ी बिना निर्वाचित छात्र प्रतिनिधित्व के महाविद्यालय से निकल गई। अब नए चेहरों को छात्र राजनीति में आगे आने का अवसर मिल सकता है। यही वजह है कि इस बार संगठनात्मक ताकत के साथ उम्मीदवार की लोकप्रियता, छात्र संपर्क और स्थानीय मुद्दे निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं।

किसकी नैया पार, किसकी डूबेगी?

करीब नौ साल बाद छात्रसंघ चुनाव की संभावित वापसी ने अनूपपुर में विद्यार्थी परिषद, एनएसयूआई और आइसा सहित विभिन्न छात्र संगठनों की साख को दांव पर लगा दिया है। फिलहाल सभी संगठन अपनी-अपनी तैयारियों में जुटे हैं, लेकिन पूरे जिले के महाविद्यालयों में मजबूत जमीनी पकड़ का दावा करना अभी जल्दबाजी होगी। संभावित चुनाव में कई अप्रत्याशित समीकरण सामने आ सकते हैं। संगठन की ताकत के साथ उम्मीदवार का व्यक्तित्व, छात्रों से सीधा संपर्क और स्थानीय समस्याओं पर उसकी सक्रियता सबसे बड़ा कारक बन सकती है। नौ साल बाद यदि महाविद्यालय परिसरों में छात्र राजनीति का चुनावी रंग लौटता है तो यह केवल नए छात्र नेताओं के उदय का अवसर नहीं होगा, बल्कि विद्यार्थी परिषद, छात्र संगठन और आइसा जैसे संगठनों के लिए अपनी वास्तविक ताकत साबित करने की अग्निपरीक्षा भी होगी। अब फैसला अनूपपुर के छात्र मतदाताओं के हाथ में होगा कि किस संगठन की नैया पार लगाती है



दायरा कोतमा के अलावा कटनी, सिंगरौली, सीधी तथा छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर, बैकुंठपुर, सूरजपुर और रायपुर सहित अन्य शहरों तक जुड़े होने की जानकारी सामने आई है। आयकर विभाग इन स्थानों से जुड़ी संपत्तियों और वित्तीय लेन-देन की भी पड़ताल कर रहा है। जांच में किन लोगों की भूमिका सामने आती है, यह दस्तावेजों की जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा।

सात लोगों पर भी नजर

सूत्रों के अनुसार आयकर विभाग की जांच के दायरे में सात लोगों के नाम होने की बात सामने आई है। टीम संबंधित व्यक्तियों की संपत्तियों, बैंक खातों और वित्तीय लेन-देन का परीक्षण कर रही है। कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों के उपलब्ध नहीं होने की जानकारी भी सामने आई है, हालांकि इस संबंध में विभाग की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। आयकर विभाग की टीम के कोतमा पहुंचने के बाद

स्थानीय पुलिस को भी कार्रवाई की जानकारी दी गई। पूछताछ के दौरान पुलिस बल मौजूद रहा। अधिकारियों ने कार्रवाई से जुड़ी विस्तृत जानकारी साझा नहीं की। बताया गया कि जांच के दौरान सामने आए दस्तावेजों और बयानों के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

जांच पूरी होने के बाद खुलेगा राज

फिलहाल आयकर विभाग की टीम जमीनों की रजिस्ट्री, बैंक खातों और वित्तीय लेन-देन की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। जांच का मुख्य बिंदु यह है कि गरीब और कम आय वाले व्यक्तियों के नाम पर कथित रूप से खरीदी गई संपत्तियों तथा उनके खातों में हुए बड़े लेन-देन का वास्तविक स्रोत क्या है। जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि मामले में कितनी संपत्ति बेनामी पाई जाती है और किन लोगों की भूमिका सामने आती है। विभाग की आगामी कार्रवाई पर क्षेत्र की नजर बनी हुई है।

मृत्युंजय आश्रम में नौ दिवसीय शिव महापुराण कथा का शुभारंभ

नर्मदा उद्गम मंदिर तक निकली विशाल कलश शोभायात्रा

श्रावण मास में शिव आराधना से भक्तिमय हुआ अमरकंटक

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में श्रावण मास के अवसर पर भगवान भोलेनाथ की आराधना का वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। इसी धार्मिक माहौल के बीच मृत्युंजय आश्रम में गुरुवार को नौ दिवसीय शिव महापुराण कथा का भव्य एवं विधिवत शुभारंभ हुआ। कथा के शुभारंभ अवसर पर आश्रम परिसर से मां नर्मदा उद्गम मंदिर तक विशाल कलश शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शोभायात्रा में महिलाएं और पुरुष पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए। महिलाएं सिर पर कलश धारण कर भक्ति भाव से चल रही थीं, वहीं श्रद्धालु डफली एवं अन्य वाद्य यंत्रों की थाप पर नाचते-गाते हुए भजन-कीर्तन कर रहे थे। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ के जयकारे लगाए, जिससे पूरा अमरकंटक शिवमय नजर आया। शोभायात्रा मां नर्मदा उद्गम मंदिर परिसर पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया। मृत्युंजय आश्रम में श्रावण मास के दौरान भगवान भोलेनाथ का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विशेष रुद्राभिषेक कराया जा रहा है। आचार्य एवं परोहितों द्वारा प्रतिदिन विधि-विधानपूर्वक रुद्राभिषेक, पूजन-अर्चन, पाठ एवं विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए जा रहे हैं। सुबह से ही आश्रम परिसर में वैदिक



मंत्रोच्चार, शिव स्तुति और धार्मिक अनुष्ठानों की गूंज सुनाई दे रही है। श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ के दर्शन एवं पूजन के साथ रुद्राभिषेक में सहभागी होकर परिवार की सुख-समृद्धि, शांति एवं मंगल की कामना कर रहे हैं। शिव महापुराण कथा और रुद्राभिषेक के कारण मृत्युंजय आश्रम का वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा और भक्तिभाव से ओत-प्रोत बना हुआ है।

नौ दिवसीय शिव महापुराण कथा का वाचन मैनपुरी-इटवा के प्रसिद्ध कथावाचक पंडित अतुल कृष्ण शास्त्री द्वारा किया जा रहा है। उनके मुखारविंद से संगीतमय एवं रसमय शैली में शिव महापुराण की कथा का



श्रावण करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। कथा के माध्यम से भगवान शिव की महिमा, शिव तत्व एवं सनातन धर्म की आध्यात्मिक शिक्षाओं का संदेश दिया जा रहा है। आयोजन के अनुसार कथा का शुभारंभ 20 अगस्त, गुरुवार, श्रावण शुक्ल पक्ष अष्टमी, विशाखा नक्षत्र से हुआ है। कथा की भक्तिमय धारा 28 अगस्त, शुक्रवार, श्रावण पूर्णिमा, शतभिषा नक्षत्र तक प्रवाहित होगी। मृत्युंजय आश्रम के व्यवस्थापक पंडित योगेश दुबे ने बताया कि आश्रम के विशाल सभागार में प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जाएगा। नौ दिनों तक चलने वाले इस

धार्मिक आयोजन में श्रद्धालु भगवान शिव की महिमा और सनातन धर्म के आध्यात्मिक संदेशों का श्रवण कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि कथा के अंतिम दिवस विशेष हवन-पूजन, कन्या भोज, संत भोज एवं ब्राह्मण भोज का आयोजन होगा। इसके साथ ही विशाल भंडारे का आयोजन कर श्रद्धालुओं को प्रसाद स्वरूप भोजन कराया जाएगा।

नौ दिवसीय शिव महापुराण कथा का आयोजन कवर्धा के धर्मप्रेमी मनोज सिंह परिवार द्वारा कराया जा रहा है। कथा में शामिल होने के लिए ठाकुर मनोज सिंह के परिवार सहित सैकड़ों परिजन अमरकंटक पहुंचे हैं। परिवार के सदस्य कथा श्रवण के साथ भगवान शिव की आराधना में सहभागी बन रहे हैं। मृत्युंजय आश्रम के व्यवस्थापक पंडित योगेश दुबे एवं कथा आयोजक मनोज सिंह ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में कथा में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालु प्रतिदिन निर्धारित समय पर आश्रम पहुंचकर शिव महापुराण कथा का श्रवण करें और इस पावन धार्मिक आयोजन का धर्मलभ प्राप्त करें। श्रावण मास में शिव महापुराण कथा, रुद्राभिषेक, विशेष पूजन-अर्चन एवं वैदिक अनुष्ठानों के चलते मृत्युंजय आश्रम सहित संपूर्ण अमरकंटक का वातावरण शिवमय बना हुआ है। मां नर्मदा के उद्गम की पावन धारा पर नर्मदा आराधना और भगवान शिव की भक्ति का यह संगम श्रद्धालुओं के लिए विशेष आध्यात्मिक अनुभूति का अवसर बन गया है।

